मध्य प्रदेश में सिन्ध नदी योजना

701. **श्री ना० कृ० शेजवलकर** : क्या **सिंचाई और विद्युत्** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश की सिन्ध नदी योजना की वर्तमान स्थिति क्या है और उसके शीघ्र कार्यान्वयन में क्या कठिनाइयां हैं ;

(ख) इस योजना के कब तक प्रारम्भ किये जाने की संभावना है ;

(ग) क्या पूर्व योजना में कुछ परिवर्तन किये गये हैं ; और

(घ) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं ?

[SINDH RIVER SCHEME IN MADHYA PRADESH

701. SHRI N. K. SHEJWALKAR : Will the Minister of IRRIGATION AND POWER/ **सिंचाई और विद्युत् मंत्री** be pleased to state :

(a) what is the present position of the Sindh River Scheme of Madhya Pradesh, and what are the difficulties in its early implementation;

(b) the time by when the scheme is likely to be taken up;

(c) whether any changes have been made in the previous scheme; and

(d) if so, the reasons therefor?]

सिंचाई और विद्युत् मंत्रालय में उपमंत्री (श्री बैजनाथ कुरील) : (क) से (घ) मध्य प्रदेश सरकार से जनवरी, 1971 में प्राप्त सिंध नदी परियोजना के चरण-1 की परियोजना रिपोर्ट पर केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग में तकनीकी जांच हो रही है ।

बेहतर नींव उपलब्ध होने के कारण प्रस्तावित वियर स्थल, मूल रूप से परिकल्पित स्थल की अनुप्रवाह दिशा में खिसका दिया गया है ।

†[THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF IRRIGATION AND POWER/**सिंचाई और विद्युत् मंत्रालय में उप-मंत्री** (SHRI BAIJ NATH KUREEL) : (a) to (d) The project report for phase I of the Sindh river project, received in January, 1971 from the Government of Madhya Pradesh is under technical examination in the Central Water and Power Commission.

The proposed weir site has been shifted downstream of the originally contemplated site as better foundations were available.]

मध्य प्रदेश को माताटीला संयंत्र से बिजली की सप्लाई

702. **श्री ना० कृ० शेजवलकर** : क्या **सिंचाई और विद्युत्** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि योजना आयोग के कार्यकारी दल ने इस आशय का निर्णय किया था कि मध्य प्रदेश में पिछौर और ग्वालियर को 132 के० वी० लाइंस से जोड़ा जाय तथा माताटीला संयंत्र से बिजली प्राप्त की जाये ; और

(ख) यदि हां, तो उक्त निर्णय के कार्यान्वयन में देरी किये जाने के क्या कारण हैं ?

†[POWER SUPPLY FROM MATATILA PLANT FOR MADHYA PRADESH

702. SHRI N. K. SHEJWALKAR : Will the Minister of IRRIGATION AND POWER/ **सिंचाई और विद्युत् मंत्री** be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the Working Group of the Planning Commission have taken a decision to the effect that Pichhore and Gwalior in Madhya Pradesh, should be connected with 132 KV line, and the power should be made available from the Matatila Plant; and

(b) if so, what are the reasons for the delay in the implementation of the said decision?]

†[ ] English translation.